सोने की कलम

आर.एन.आई. रजि. नं. 52089

Email - sonekikalam@gmail.com

प्रधान सम्पादक – चेतन गन्धे , 9893157809

www.sonekikalamnews.com

बख्तरबंद गाड़ियां, इलेक्ट्रॉनिक वॉर तकनीक, घातक मिसाइलें

भारत ने की 1.05 लाख करोड़ की बिग डिफेंस डील

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पूरी दुनिया को अपनी ताकत दिखाने वाले भारत का डिफेंस सेक्टर तेजी से विकास कर रहा है। भारत की बढ़ती सैन्य ताकत को देखकर पाकिस्तान और चीन के पसीने छूटना लाजमी है। दरअसल गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद ने करीब 1.05 लाख करोड़ रुपये की 10 बड़े रक्षा सौदों को मंजूरी दी है।

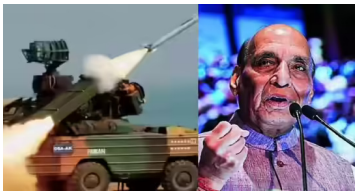

सबसे बड़ी बात यह है कि यह पूरी डील 'Buy Indian IDDM' कैटेगरी के तहत होने वाली है ताकि देश में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिले। इसका मतलब है कि अब भारत में ही डिजाइन और विकसित किए गए उत्पादों को खरीदा जाएगा। इससे देश में ही रक्षा उपकरणों का निर्माण बढ़ेगा।

रक्षा मंत्रालय ने लगभग 1.05 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 'सैन्य हार्डवेयर' और 'प्लेटफार्मों' की बड़ी डील को मंजूरी दे दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने इन खरीद परियोजनाओं को मंजूरी दी। आधिकारिक बयान के अनुसार, डीएसी ने बख्तरबंद रिकवरी वाहनों, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली, तीनों सेनाओं के लिए एकीकृत सामान्य इन्वेंट्री प्रबंधन प्रणाली और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों की खरीद को मंजूरी दे दी।

बयान में कहा गया है कि इन खरीद से सशस्त्र बलों की अभियानगत तैयारियां और बेहतर होंगी। 'माइन काउंटर मेजर वेसल', 'सुपर रैपिड गन माउंट' और 'सबमर्सिबल ऑटोनॉमस वेसल' की खरीद को भी मंजूरी दी गई। मंत्रालय ने कहा, इन खरीद से नौसेना और व्यापारिक जहाजों के लिए संभावित खतरों को कम करने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अंतर्राष्ट्रीय कुश्ती खिलाड़ी कु. प्रियांशी को दी शाबाशी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से गुरुवार को समत्व भवन, मुख्यमंत्री निवास में उज्जैन की बिटिया, अंतर्राष्ट्रीय कुश्ती खिलाड़ी कु. प्रियांशी प्रजापति ने भेंट की। उल्लेखनीय है कि हाल ही में वियतनाम में सम्पन्न एशियाई कुश्ती चैंम्पियनशिप में प्रियांशी ने अंडर- 23 श्रेणी में गोल्ड मैडल प्राप्त कर मध्यप्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रतिभाशाली बिटिया प्रियांशी को इस उपलब्धि के लिए शाबाशी और बधाई देते हुए कहा कि कु. प्रियांशी प्रजापति को 2 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव का आयोजन होगा

इन्दौर। राज्य में होटल इंडस्ट्री, पर्यटन, उद्योग, निवेश, रियल स्टेट, इन्फ्रास्ट्रक्चर आदि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आगामी 11 जुलाई को ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर इंदौर में अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव का आयोजन किया जायेगा। यह जानकारी नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से दी। श्री भोंडवे ने बताया कि अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। कॉन्क्लेव में होटल इंडस्ट्री, पर्यटन, उद्योग, रियल स्टेट, इन्फ्रास्ट्रक्चर आदि से जुड़े देशभर के 1500 से अधिक उद्योगपति, कॉर्पोरेट एवं उनके प्रतिनिधि शामिल होंगे। आयोजन में एक प्रदर्शनी भी लगायी जायेगी, जिसमें क्रेडाई, होटल इंडस्ट्री, टूरिज्म, इंदौर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, स्मार्ट सिटी, मैट्रो, हुडको, एलआईसी, हाउसिंग बोर्ड आदि संस्थाओं के कार्यों को प्रदर्शित किया जायेगा। आयोजन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उद्योगपतियों से चर्चा भी करेंगे। वीडियो कॉन्फ्रेंस में इंदौर से संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, कलेक्टर श्री आशीष सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, स्मार्ट सिटी सीईओ श्री दिव्यांक सिंह, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर.पी. अहिरवार, आईडीए के अधिकारी श्री सुदीप मीणा, इंजीनियर श्री अनिल कुमार जोशी, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती प्रिया पटेल, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती प्रियंका चौरसिया, मध्य प्रदेश होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री सुमित सूरी, सीआईआई के एक्जीक्यूटीव श्री ऋतिक अरगल आदि शामिल हुए।

इंदौर-उज्जैन मेट्रो के टेक्निकल सर्वे जयपुर की कंपनी करेगी

एलिवेटेड कॉरिडोर प्रोजेक्ट के संभावित स्तरों की होगी जांच; 8 स्टेशन प्रस्तावित

◆इंदौर, सोने की कलम।

इंदौर-उज्जैन मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए भू-तकनीकी सर्वे का ठेका जयपुर की कंपनी सीईजी टेस्ट हाउस एंड रिसर्च सेंटर प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया है। यह कंपनी पहले मुंबई मेट्रो, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन और तुगलाबाद जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर चुकी है।

यह सर्वे मेट्रो की पटरियों और पिलरों के लिए जरूरी मिट्टी परीक्षण और जमीन की मजबूती की जांच के लिए किया जा रहा है। सर्वे के दौरान कंपनी अलग-अलग स्थानों पर खुदाई कर मिट्टी की गुणवत्ता और अन्य तकनीकी पहलुओं की रिपोर्ट तैयार करेगी, जिसे बाद में मेट्रो कॉर्पोरेशन को सौंपा जाएगा।

एलिवेटेड और अंडरग्राउंड दोनों तरह का रूट रहेगा

कॉरपोरेशन के अनुसार, इंदौर-उज्जैन मेट्रो का अधिकांश हिस्सा एलिवेटेड (ऊपर से गुजरने वाला) होगा, और इसके लिए सड़क के बीच बने डिवाइडर पर पिलर खड़े किए जाएंगे।उज्जैन के नानाखेड़ा से रेलवे स्टेशन तक का हिस्सा अंडरग्राउंड रहेगा। डीपीआर (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) बनने के बाद यह साफ होगा कि कुल रूट में कितना हिस्सा ऊपर से और कितना जमीन के नीचे बनेगा।

प्रोजेक्ट पर करीब 10 हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे

इंदौर-उज्जैन मेट्रो की डीपीआर तैयार करने का जिम्मा दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन को दिया गया है। रिपोर्ट जुलाई-अगस्त तक तैयार हो जाएगी।इसमें मेट्रो रूट का नक्शा, फंडिंग की व्यवस्था, स्टेशन, डिपो, अंडरग्राउंड रूट, पार्किंग की सुविधा और कुल लागत जैसे सभी पहलुओं को शामिल किया जाएगा। फिलहाल अनुमान है कि इस प्रोजेक्ट पर करीब 10 हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे।

8 स्टेशन बनेंगे, पहला इंदौर में और अंतिम महाकाल के पास

प्रस्तावित रूट करीब 47 किलोमीटर लंबा होगा और इसमें 8 स्टेशन बनाए जाएंगे। पहला स्टेशन इंदौर के लवकुश चौराहा क्षेत्र में प्रस्तावित है।

अंतिम स्टेशन उज्जैन के महाकाल लोक क्षेत्र में होगा।इस रूट का करीब 70त्न हिस्सा सड़क के बीच वाली सेंट्रल लाइन के साथ तैयार किया जाएगा ताकि यातायात पर असर न पड़े।

वहीं, इंदौर शहर में चल रही मेट्रो परियोजना की अंडरग्राउंड लाइन का काम धीमा चल रहा है। कई जगह भूमि अधिग्रहण में अड़चनें आ रही हैं और हाई कोर्ट ने सरकार से इस पर जवाब भी मांगा है।इसके अलावा मेट्रो स्टेशनों के पास पार्किंग विकसित करने के लिए प्रशासन से जमीन की मांग की जा रही है ताकि यात्रियों को सुविधा मिल सके।

सिल्वर सखी ने मैंगो पार्टी में मचाई धूम

मैंगो थीम पर बच्चों ने अपनी मासूमियत और रंगीनियत का जादू बिखेरा

◆इंदौर, सोने की कलम।

गरबा ग्राउंड में महिला समूह सिल्वर सखी ने एक रंगीन और स्वादिष्ट आयोजन मैंगो पार्टी – सखियों के संग का सफल आयोजन किया। सुनहरे रंगों में सजी सखियों ने आम के इस त्योहार को मिठास और अपनत्व के साथ मनाया, जो न केवल स्वादों की बहार लेकर आया बल्कि सामाजिक सौहार्द और सांस्कृतिक उत्साह को भी नई ऊँचाइयों पर ले गया।

कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक ग्रीन और येलो रंग की साड़ियों और ड्रेस में सखियों के स्वागत से हुई, जिनकी मुस्कान और जोश ने माहौल को और भी खुशनुमा बना दिया। बच्चों ने भी मैंगो थीम पर आधारित पोशाकों में अपनी मासूमियत और रंगीनियत का जादू बिखेरा। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य आम के त्योहार को साझा करना और महिलाओं के बीच आपसी प्रेम और सांस्कृतिक जुड़ाव को मजबूत करना था, जो पूरी तरह से सफल रहा।

स्वादों का जादू और रचनात्मकता की झलक

सखियों ने अपने घरों से लाए गए आम के विविध व्यंजनों जैसे आम का पना, आमरस, आम की चटनी, मैंगो हलवा, आम की कुल्फी और कच्चे आम के व्यंजन प्रस्तुत किए, जिनका स्वाद सभी ने चखकर तारीफ की। इस स्वाद पर्व का एक रोमांचक हिस्सा था मैंगो मास्टर सेफ प्रतियोगिता, जिसमें सर्वश्रेष्ठ मैंगो डिश बनाने वाली सखी को सम्मानित किया गया, जिससे आयोजन में प्रतिस्पर्धा और उत्साह का माहौल बना रहा।

मुख्य आकर्षण और सांस्कृतिक रंग

कार्यक्रम में महिलाओं और बच्चों के लिए बेस्ट ड्रेस प्रतियोगिता ने रंगीन उत्सव को और भी जीवंत बना दिया। तम्बोला और पारंपरिक खेलों ने सभी को जोड़ने का काम किया। सेल्फ़ी विथ मैंगो ट्री प्रतियोगिता और मैंगो क्विज़ ने जानकारी और मनोरंजन का बेहतरीन संगम पेश किया। सांस्कृतिक झलक के तहत पारंपरिक गीत और नृत्य ने सखियों के उत्साह को चार चांद लगा दिए। इस आयोजन का नेतृत्व राजनी खेतान, नीतू मित्तल और शारदा उपाध्याय ने किया, जिन्होंने सिल्वर सखी टीम के साथ मिलकर महिलाओं के सशक्तिकरण, सांस्कृतिक संरक्षण और रचनात्मकता को मंच प्रदान किया। इस आयोजन ने न केवल आम के प्रति प्रेम को बढ़ावा दिया बल्कि महिलाओं के बीच सामाजिक मेलजोल और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को भी मजबूती दी।

इस तरह मैंगो पार्टी – सखियों के संग ने इंदौर में एक यादगार शाम बनाई, जहां सुनहरे रंगों और मिठास भरी जुबान में आम की खासियत को बखूबी पेश किया गया। यह आयोजन महिलाओं की सृजनात्मकता और सामूहिक ऊर्जा का जश्न था, जो आने वाले वर्षों में भी इसी तरह उत्साह के साथ मनाया जाएगा।

राजकीय बाल संरक्षण आश्रम के बच्चों को मिलेगी अब बस सुविधा, बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के लिए बनेगा नया भवन

कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक सम्पन्न

◆इंदौर, सोने की कलम।

राजकीय बाल संरक्षण आश्रम इंदौर में निवासरत अनाथ बच्चों के लिए अब स्कूल आने-जाने हेतु विशेष बस सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने इसके लिए नई बस क्रय करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही परदेशीपुरा स्थित समाज कल्याण परिसर में निवासरत बौद्धिक दिव्यांग एवं अनाथ बच्चों के लिए नया भवन निर्मित किया जायेगा। इसके लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये गए हैं।

कलेक्टर कार्यालय में आज कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी श्री रजनीश सिन्हा सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने बैठक में निर्देश दिए कि बाल कल्याण एवं संरक्षण से जुड़ी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से 18 वर्ष से कम उम्र के नशाग्रस्त बच्चों के पुनर्वास और नशा मुक्ति की दिशा में विशेष प्रयास किये जायें। इसके लिए स्वयंसेवी संस्थाओं की मदद भी ली जायें। बैठक में जिले में संचालित बाल देखरेख संस्थाओं की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने बच्चों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा और समुचित देखभाल की व्यवस्था और भी बेहतर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना हम सबकी जिम्मेदारी है।

संपादकीय

महिलाओं की बढ़ती भूमिका

विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित में महिलाओं की बढ़ती भूमिका – कैरियर पथ सामूहिक रूप से स्टेम के रूप में जाना जाता है। ड्राइविंग प्रगति और एक अभिनव, भविष्य केंद्रित भावना को बढ़ावा देने में महिलाओं के अद्वितीय दृष्टिकोण और विचार आवश्यक हैं। जैसे, यह देखने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है कि स्टेम में महिलाओं की संख्या बढ़ रही है। यह रोमांचक प्रवृत्ति जारी रहेगी क्योंकि अधिक युवा लड़कियों को स्कूल में इन विषयों का पता लगाने के लिए प्रेरित किया जाता है और जैसा कि अधिक कंपनियां न केवल टीम में, बल्कि नेतृत्व की स्थिति में भी महिलाओं के होने के महत्व को पहचानती हैं।

चेतन गन्धे
9893157809
सम्पादक

स्टेम खोज और अवसर के साथ काम करते हुए, सबसे गतिशील कैरियर संभावनाओं में से कुछ प्रदान करता है। अगले दशक में 10.8% की अनुमानित वृद्धि दर के साथ, स्टेम में कुशल पेशेवरों की मांग निर्विवाद है। फिर भी, इस तेजी से वृद्धि के बावजूद, महिलाओं को काफी कम प्रतिनिधित्व दिया जाता है, जो कुल कर्मचारियों का 48% बनाते हुए स्टेम श्रमिकों का केवल 35% बनाते हैं।

हमें स्टेम में अधिक महिलाओं की आवश्यकता क्यों है बढ़ती मांग। एसटीईएम के तेजी से विकास और विकास ने श्रमिकों और विशेषज्ञता की मांग को बढ़ा दिया है। कार्यबल में महिलाओं की संख्या पुरुषों की तुलना में लगातार बढ़ रही है और तेज दर से है। उन्होंने पूर्व-महामारी की तुलना में अब काम करने वाली अधिक महिलाओं के साथ महामारी के बाद के कार्यबल में एक मजबूत वापसी की है। इसके अतिरिक्त, महिलाएं सभी डिग्री स्तरों पर पुरुषों की तुलना में अधिक दरों पर कॉलेज में भाग ले रही हैं और स्नातक कर रही हैं। महिलाओं ने समान प्रतिनिधित्व के लिए अपनी लड़ाई में महत्वपूर्ण प्रगति की है और यह समय एसटीईएम क्षेत्र उनके महत्व और योगदान को पहचानता है।

स्टेम समुदाय यह समझने का प्रयास करता है कि दुनिया कैसे काम करती है और रचनात्मकता और नवाचार के माध्यम से अपनी जटिल चुनौतियों से निपटती है। इस स्मारकीय उपलब्धि को प्राप्त करने के लिए महिलाओं से इनपुट की आवश्यकता होती है। अद्वितीय पृष्ठभूमि, अनुभव और दृष्टिकोण को एक साथ लाकर, हम विचारों और खोजों को आधार बनाने की अधिक क्षमता को अनलॉक करते हैं।

कैसे स्टेम हमारे भविष्य को आकार देता है एसटीईएम में महिलाओं को शामिल करना विज्ञान और नवाचार के भविष्य को आकार देने के लिए आवश्यक है। वर्तमान महिला नेता अगली पीढ़ी का समर्थन करने और विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्रों को फिर से परिभाषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। आकाओं, रोल मॉडल और अधिवक्ताओं के रूप में, वे क्षेत्र में अन्य महिलाओं के लिए और युवा लड़कियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं जो पहले से कहीं अधिक इन भूमिकाओं में महिला प्रतिनिधित्व देख रहे हैं। उनकी उपस्थिति युवा लड़कियों को सशक्त बना सकती है, जिनकी एसटीईएम शिक्षा में रुचि है, एक नए प्रकाश में अपने भविष्य की कल्पना करें।

इंदौर जिले के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को

लैपटॉप की राशि वितरण का मुख्य कार्यक्रम बाल विनय मंदिर में

◆इंदौर, सोने की कलम।

मुख्यमंत्री प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत इंदौर जिले के 5312 मेधावी विद्यार्थियों को कुल 13 करोड़ 28 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। प्रत्येक विद्यार्थी के बैंक खाते में 25 हजार रुपये की राशि सीधे जमा की जाएगी। यह राशि मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव द्वारा 4 जुलाई 2025 को वर्चुअल माध्यम से अंतरित की जाएगी।

जिले का मुख्य कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शासकीय उत्कृष्ट बाल विनय मंदिर, इंदौर में आयोजित किया जाएगा। इस जिला स्तरीय कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद श्री शंकर लालवानी करेंगे। कार्यक्रम में विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, शिक्षकगण तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी और अभिभावक मौजूद रहेंगे। जिले के 5312 विद्यार्थियों को इस योजना का लाभ दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे सभागृह से राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करेंगे, जिसका सजीव प्रसारण बाल विनय मंदिर इंदौर सहित जिले के सभी विकासखंडों में किया जाएगा। विकासखंड स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिनमें संबंधित क्षेत्र के विधायकों और अधिकारियों की उपस्थिति में विद्यार्थियों को राशि का लाभ मिलेगा।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश पर आरटीओ ने की वाहनों पर की कार्यवाही

21 वाहनों से वसूला 48 हजार रुपये जुर्माना

◆इंदौर, सोने की कलम।

क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इंदौर द्वारा लोक परिवहन वाहनों, बसों, स्कूल वाहनों सहित अन्य वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही है। बसों में ओवरलोडिंग, अधिक किराया की भी जांच की जा रही है। लोगों को अपने वाहनों पर HSRP नम्बर प्लेट लगवाने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। वाहन की गति, स्पीड गवर्नर सहित दस्तावेज की चेकिंग की जा रही है। दस्तावेज नहीं होने, क्षमता से अधिक सवारी पाए जाने, परमिट शर्तों का उल्लंघन करने वाली बसों के साथ ही विशेष रूप से स्कूल, कॉलेज के वाहनों की सघन जाँच की जा रही है। इंदौर-नेमावर, इंदौर-खण्डवा, बुरहानपुर रूट की बसों की चेकिंग की गई। स्कूल बसों, यात्री बसों में विभिन्न कमियां पाए जाने पर 21 से अधिक वाहनों पर जुर्माना लगाया गया । इस दौरान 03 स्कूली वाहन बिना दस्तावेज के संचालित होते पाए गए । बच्चों को सुरक्षित छोड़ने के बाद इन्हें जब्त किया गया। इस दौरान वाहनों से 48 हजार रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला गया।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका पदों के लिए 2.70 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त

◆इंदौर, सोने की कलम।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी सहायिका के रिक्त पदों की पूर्ति के लिये जारी की गई ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया को अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिल रही है। विभाग द्वारा 19 जून को जारी विज्ञापन के तहत कुल 19,504 पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है, जिसमें अब तक 2,70,152 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।

भर्ती प्रक्रिया में दस संभागों से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के लिए 55,730 और आंगनवाड़ी सहायिका के लिए 2,14,422 आवेदन प्राप्त हुए हैं। आवेदन प्रक्रिया की अंतिम तिथि 4 जुलाई निर्धारित की गई है, जबकि भरे गए आवेदन में सुधार की अंतिम तिथि 7 जुलाई है।

उल्लेखनीय है कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका के कुल 19 हज़ार 504 पदों की पूर्ति के लिए इंदौर संभाग से सबसे अधिक 47 हज़ार 116 आवेदन प्राप्त हुए हैं जिन में 38 हज़ार 601 सहायिका के पद और 8 हज़ार 515 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के पद के लिए आवेदन प्राप्त हुए है। जबलपुर संभाग से कुल 44 हजार 258 आवेदन में से 34 हजार 317 सहायिका के और 9 हजार 941 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के आवेदन प्राप्त हुए है। सागर संभाग से 33 हज़ार 513 में से सहायिकाओं के पद के लिए 27 हज़ार 857 और कार्यकर्ता के लिए 5 हज़ार 656 आवेदन आए है।

भोपाल में कुल 28 हज़ार 850 आवेदन प्राप्त हुए है। इनमें सहायिका के पद के लिए 22 हजार 397 और कार्यकर्ता के लिए 6 हज़ार 453 आवेदन प्राप्त हुए है। इसी प्रकार रीवा से 28 हज़ार 519 कुल आवेदन प्राप्त हुए है, जिनमें 23 हज़ार 831 आवेदन सहायिका के और 4 हज़ार 688 आवेदन कार्यकर्ता के लिए प्राप्त हुए है। ग्वालियर संभाग के 28 हज़ार 413 आवेदनों में सहायिका के 22 हज़ार 73 और कार्यकर्ताओं के 6 हज़ार 340 आवेदन प्राप्त हुए है।

उज्जैन संभाग से कुल 24 हजार 159 आवेदनों में से सहायिका के 18 हज़ार 711 और कार्यकर्ता के 5 हज़ार 448, चम्बल संभाग के कुल 14 हज़ार 829 आवेदनों में 12 हज़ार 343 सहायिका के और 2 हज़ार 486 आवेदन कार्यकर्ता के पद के लिए प्राप्त हुए है। इसके अतिरिक्त शहडोल संभाग से कुल 10 हज़ार 406 आवेदन प्राप्त हुए है, जिनमें 7 हज़ार 291 सहायिका और 3 हजार 115 कार्यकर्ता के पद के लिए प्राप्त हुए है। नर्मदापुरम से सहायिका के पद के लिए 7,001 और कार्यकर्ता के लिए 3088 कुल 10 हज़ार 89 आवेदन प्राप्त हुए है।

आबकारी विभाग ने लगभग 12 लाख रूपये मूल्य की मदिरा को किया नष्ट

◆इंदौर, सोने की कलम।

इन्दौर। आबकारी आयुक्त मध्यप्रदेश एवं कलेक्टर श्री आशीष सिंह के आदेश पर तथा सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी और अनुविभागीय अधिकारी श्री अभिजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में आबकारी विभाग इन्दौर ने माउण्ट ब्रेवरी लिमिटेड सिमरोल में मानव उपयोग के लिए अनुपयुक्त एवं न्यायालयीन प्रकरणों में जप्त 317 पेटी मदिरा का नष्टीकरण किया। नष्टीकरण की गई मदिरा की कुल मात्रा 2853 बल्क लीटर थी, जिसका बाजार मूल्य लगभग 12 लाख 82 हजार रूपये है। मदिरा की बोतलों पर रोड रोलर चलाकर बोतलों को फोड़कर नष्टीकरण किया गया।

नष्टीकरण समिति में अनुविभागीय अधिकारी श्री अभिजीत श्रीवास्तव, सहायक आबकारी आयुक्त श्री अभिषेक त्रिपाठी, सहा. ज़िला आबकारी अधिकारी श्री अनिल माथुर और आबकारी उपनिरीक्षक श्री सुनील मालवीय शामिल थे।

औद्योगिक, उच्चदाब बिजली की आपूर्ति 8.50 फीसदी बढ़ी

बिजली कंपनी क्षेत्र में अब कुल 4790 कनेक्शन, 3200 इंदौर के समीप

इन्दौर। औद्योगिक, उच्चदाब की बिजली मांग में पिछले बारह माह के दौरान 8.50 फीसदी की बढ़त रही, इसी के अनुरूप आपूर्ति की गई है। औद्योगिक उच्चदाब कनेक्शनों को बारह माह में 834 करोड़ यूनिट से बिजली की आपूर्ति हुई।

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने बताया कि एक वर्ष के दौरान औद्योगिक, उच्च दाब कनेक्शनों की संख्या

औद्योगिक उच्चदाब कनेक्शन संचालकों को दी 800 करोड़ की छूट

लगभग 250 बढ़ी है, अब यह संख्या 4790 हो गई है। इन कनेक्शनों में 3200 से ज्यादा इंदौर के समीप स्थित है। पिछले बारह माह के दौरान इन कनेक्शनों को कुल 834 करोड़ यूनिट बिजली वितरित हुई है, यह गत वर्ष समान अवधि की तुलना में 8.50 फीसदी ज्यादा है। पिछले वर्ष औद्योगिक , उच्चदाब कनेक्शनों को कुल 770 करोड़ यूनिट बिजली वितरित हुई थी। एक वर्ष के दौरान जहां कनेक्शनों की संख्या में 5.5 फीसद की बढ़ोत्तरी हुई है, वहीं बिजली आपूर्ति 8.50 फीसदी बढ़ी है। इस तरह स्पष्ट है कि जो कनेक्शन पहले से मौजूद रहे है, वहां बिजली की ज्यादा मांग की स्थिति दर्ज हुई है। प्रबंध निदेशक श्री सिंह ने बताया कि उच्चदाब कनेक्शनों की आपूर्ति, बिलिंग, इन्हें शासकीय नियमानुसार छूट या सहायता देने के लिए विशेष रूप से वरिष्ठ अधिकारी पदस्थ हैं, जो उद्योगपतियों, उद्योग संचालकों से सतत संपर्क में रहते हैं। प्रबंध निदेशक ने बताया कि पिछले वर्ष में इन औद्योगिक उच्च दाब कनेक्शन से संबंधित उपभोक्ताओं को पात्रतानुसार 800 करोड़ रूपए से ज्यादा की छूट दी गई हैं। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री सिंह ने बताया कि औद्योगिक उच्चदाब उपभोक्ताओं के प्रति कंपनी उद्योग मित्र भावना के साथ कार्यरत हैं, ताकि क्षेत्र के विकास को गति मिलती रहे।

इंदौर के नाम एक और अंतरराष्ट्रीय अवार्ड

प्रमित को नॉर्वे में ग्लोबल इक्विटी, सोशल इनोवेशन और वेलनेस अवॉर्ड

◆इंदौर, सोने की कलम।

इंदौर के प्रमित माकोड़े को ग्लोबल इक्विटी, सोशल इनोवेशन और वेलनेस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें वीमेन इंटरनेशनल नेटवर्क की अध्यक्ष क्रिस्टिन एंगविग और सहयोगी संगठनों की ओर से दिया गया। इंदौर के मूल निवासी प्रमित बोस्टन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर हेल्थ एंड ह्यूमन डेवलपमेंट के सह-संस्थापक भी हैं।

वीमेन इंटरनेशनल नेटवर्क के स्विट्जरलैंड स्थित मुख्यालय और इसके नॉर्वे, भारत, अमेरिका समेत कई देशों में सक्रिय नेटवर्क ने माकोड़े को स्वास्थ्य, शिक्षा और क्लीन एनर्जी के क्षेत्रों में उनके दशकों से जारी प्रयासों और सामाजिक नवाचार में उनके योगदान के लिए इस सम्मान से नवाजा।

नार्वे के ओस्लो में नोबेल पीस सेंटर के मांडेला हॉल में आयोजित एक समारोह में ग्लोबल सिटिजन फोरम के प्रेसिडेंट माकोड़े को यह सम्मान दिया गया। माकोड़े ने कहा कि हमें प्राचीन ज्ञान और आधुनिक नवाचार को जोड़ते हुए मानसिक, आध्यात्मिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए एकीकृत इकोसिस्टम बनाना होगा।

जब लोग, प्रक्रिया और उद्देश्य एक साथ आते हैं, तब सच्चा परिवर्तन संभव होता है। यह परिवर्तन सभी के लिए होगा- भले ही वे किसी भी धर्म, लिंग या राष्ट्रीयता से हों। इस मौके पर नोबेल पीस सेंटर के सहयोग से अफ्रीका और ग्लोबल साउथ में मानव विकास को बेहतर करने के लिए नए प्रोजेक्ट्स पर चर्चा हुई।

साथ ही, जी20 देशों में इक्विटी, वेलनेस और सस्टेनेबिलिटी को बढ़ाने के लिए बड़े स्तर पर मॉडल तैयार करने की योजना पर मंथन किया गया।

रणजीत हनुमान मंदिर के अन्नक्षेत्र को अवार्ड

सफाई व्यवस्था और भोजन बनाने के मापदंडों पर खरे उतरे

◆इंदौर, सोने की कलम।

इंदौर के रणजीत हनुमान मंदिर में संचालित अन्नक्षेत्र को राष्ट्रीय अवार्ड मिला है। यह अवार्ड स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की ओर से दिया गया है। मंदिर के मुख्य पुजारी पं. दीपेश व्यास ने बताया कि श्री रणजीत हनुमान मंदिर में संचालित होने वाले अन्नक्षेत्र को उत्कृष्ट भोजन एवं सुव्यवस्था के लिए अवार्ड दिया गया है।

इसे मंदिर की ओर से कलेक्टर आशीष सिंह, पं. दीपेश व्यास और महाप्रबंधक एनएच राजपूत ने ग्रहण किया। पं. व्यास ने बताया कि अन्न क्षेत्र में सफाई व्यवस्था कैसी है। भोजन कैसे बनता है। खाने में कौन सा और किस क्वालिटी का सामान इस्तेमाल किया जाता है। मंदिर का स्टाफ कैसे काम करता है। यह सभी देखा गया। इस अवसर पर एडीएम रोशन राय भी उपस्थित थे।

जिले में चार लाख डुप्लीकेट केवायसी हटाई गईं

इंदौर। शासकीय कार्यों में तकनीकी नवाचार लाने के लिए जिला प्रशासन अब आईटी और एआई के उपयोग की दिशा में काम करेगा। ऐसा करके शासकीय कार्यों को अधिक पारदर्शी, सरल, जनहितैषी बनाया जाएगा। इसी क्रम में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत जल्द ही 'हैकथॉन' का आयोजन किया जाएगा। इसमें आईटी-एआई क्षेत्र के विशेषज्ञ, नवाचार कर्ता और तकनीकी विद्यार्थियों को आमंत्रित किया जाएगा। यह जानकारी कलेक्टोरेट में हुई टीएल बैठक में कलेक्टर आशीष सिंह ने दी। उन्होंने बताया हैकथॉन का उद्देश्य प्रशासनिक कार्यों में तकनीकी समाधान तलाशना है।

फिर दौड़ेगी पातालपानी-कालाकुंड हेरिटेज ट्रेन

पर्यटक निहार सकेंगे झरनों, सुरंगों और घाटियों को

◆इंदौर, सोने की कलम।

मानसून की शुरुआत के साथ एक बार फिर महू के पातालपानी से कालाकुंड तक का रेल सफर शुरू होने जा रहा है। इस सुंदर घाट सेक्शन पर चलने वाली हेरिटेज ट्रेन का संचालन 10 जुलाई से दोबारा शुरू किया जाएगा। रेलवे मुख्यालय ने इसके लिए आंतरिक निर्देश जारी कर संबंधित विभागों को सभी जरूरी तैयारियां समय पर पूरी करने को कहा है, ताकि तय तिथि से संचालन बिना किसी बाधा के शुरू हो सके।

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, हर साल मानसून के दौरान पातालपानी-कालाकुंड सेक्शन पर बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। हरियाली, झरने और घाटी का दृश्य देखने के लिए इस दौरान ट्रेन यात्रा खासा लोकप्रिय रहती है। मानसून सीजन में रेलवे आमतौर पर इस ट्रेन को रोजाना और फिर शनिवार-रविवार को चलाता है।

पिछले साल यह ट्रेन 20 जुलाई से चलाई गई थी। रेलवे इस बार यात्रियों की सुविधा के लिए इंदौर से महू और पातालपानी तक डेमू ट्रेन चलाने की योजना बना रहा है। हालांकि शुरुआत में कुछ दिन यात्रियों को पातालपानी तक सड़क मार्ग से ही जाना पड़ सकता है।

2023 में रेलवे ने यात्रियों के लिए इंदौर से पातालपानी तक सिटी बस की सुविधा दी थी, जिससे 32 किलोमीटर का सफर तय कर यात्री हेरिटेज ट्रेन तक पहुंचते थे। इस बार रेलवे डेमू ट्रेन चलाने की तैयारी में है, इसलिए संभावना है कि इस बार सिटी बस सेवा नहीं चलाई जाएगी। गर्मियों के मौसम में हर साल मार्च से यह ट्रेन बंद कर दी जाती है।

यह हेरिटेज ट्रेन मीटर गेज ट्रैक पर चलती है और पातालपानी से कालाकुंड के बीच 9 किलोमीटर का सफर तय करती है। इस मार्ग में कई सुंदर पुल, सुरंगें और गहरी घाटियाँ हैं, जो सफर को बेहद रोमांचक बना देती हैं। इस ट्रेन में सामान्य कोच के साथ अत्याधुनिक विस्टाडोम कोच भी होते हैं, जो यात्रियों को बेहतर दृश्य अनुभव प्रदान करते हैं। विशेषकर वीकेंड और छुट्टियों के दौरान यह ट्रेन बड़ी संख्या में सैलानियों को आकर्षित करती है।

1877 में बिछाई गई थी लाइन

यह रेलवे ट्रैक वर्ष 1877 में बिछाया गया था। कुछ साल पहले इसे बंद करने की योजना बनी थी, लेकिन पर्यटन की दृष्टि से इसे संरक्षित रखते हुए 2018 में इस ट्रैक को %हेरिटेज% घोषित किया गया। इसके साथ ही प्रदेश की एकमात्र हेरिटेज ट्रेन का संचालन शुरू हुआ, जो लगातार मानसून सीजन में पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक चेतन गन्धे के लिए चेतन ग्राफिक्स, 135, नगर निगम मार्केट, सुभाष मार्ग, वीआईपी स्टेशनरी के सामने, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं 109, बाणगंगा मेनरोड़, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक: चेतन गन्धे, मो. : 9893157809 Email : sonekikalam@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा।)